फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 206 प्रभात जयपुर, रविवार 26 फरवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The face-off moment with the PLA

And on 29 April 1992 the Indian National Flag was hoisted at the RCP with full military symbolism.

Toddlers Helping Dogs

Soulful Dining at Hyatt Regency | Innovation of modern cooking technology has & always will be celebrated

नीले, नीले -हरे और पीले -हरे पंखों वाले पक्षी ना केवल बर्डवॉचर्स को अभिभूत करते हैं बल्कि संरक्षणविदों को साँग बड्र्स के संरक्षण के लिए प्रेरित भी करते हैं। तथापि, यह खूबसूरती लोगों के मन में इन पक्षियों को पालतू बनाने की इच्छा भी जगाती है। हाल ही में प्रकाशित एक शोध से पता चला है कि, इन रंगों की वजह से ही साँग बड्र्स के लिए खतरा बढ़ रहा है। शोध लेखक रिबैका सीनियर, जो यू.के. की डरहम युनिवर्सिटी में कंज़र्वेशन बायॉलजिस्ट हैं, ने अपनी टीम के साथ आई.यू.सी.एन. के तीन डेटा सैट की तुलना की। इसमें रंग, वन्यजीवों के व्यापार व आई.यू.सी.एन. की रैड लिस्ट के अनुसार विलुप्ति के खतरे को नापा गया। इस विश्लेषण में सामने आया कि, शोख रंगों वाली 500 पक्षी प्रजातियों को भविष्य में अवैध व्यापार का खतरा है। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि, जब वो प्रजातियां, जिनका बड़े पैमाने पर व्यापार होता है, दुर्लभ हो जाती हैं तो लोग उसी के जैसी दूसरी प्रजातियों का रुख कर लेते हैं। उन्होंने कहा, ट्रॉपिकल साँग बर्ड, जैसे चित्र में नज़र आ रही ब्राज़ीलियन टैनज़र, के प्रति लोगों का लगाव एक सदी पुराना है। उदाहरण के लिए, सन् 1891 में ब्रिटिश नैचुरलिस्ट, एल्फ्रैड रसल वॉलैस ने लिखा था कि "ट्रॉपिक्स के लगभग हर भाग में आकर्षक रंगों वाली चिड़ियों की संख्या बहुत अधिक है।" सीनियर व उनकी टीम सन् 2022 में इस बात की पुष्टि कर पाई। उन्होंने इसके लिए विश्वभर की 5358 पक्षी प्रजातियों के रंगों की तुलना की। लेकिन शोध लेखक यह जानकर हैरान थे कि, सफेद रंग के पक्षियों को भी अवैध व्यापार से गंभीर खतरा है। उदाहरण के लिए, बाली की विख्यात मैना एकदम सफेद है। इसके दूध जैसे सफेद रंग ने जहां संरक्षणविदों को इसके संरक्षण की प्रेरणा दी, वहीं, इसके लिए खतरा भी बढ़ाया है। शोध लेखकों ने कहा कि, ट्रॉपिक्स की संकटग्रस्त प्रजातियों को अवैध व्यापार से संरक्षित करके प्रकृति की खूबसूरती कायम रखी जा सकती है। लेकिन सांस्कृतिक परम्पराओं का सम्मान करना भी जरुरी है। जैसे इण्डोनेशिया में साँगबर्ड घर में रखना प्रतिष्ठा का प्रतीक है और स्थानीय आदिवासी लोग इनके पंखों व चोंच का प्रयोग करते हैं। सीनियर ने कहा कि, पक्षियों को पकड़ने या मारने के बजाय हमें लोगों को इनकी तस्वीर खींचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

सोनिया गांधी की विदाई के बाद "सीन" बदला अधिवेशन में

अधिकतर वरिष्ठ नेता झण्डा रोहण के बाद, खड़गे के पीछे-पीछे चल दिये स्टेज पर तथा गांधी परिवार असमंजस में खड़े अपनी सीट खोजते नज़र आये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नवा रायपुर, 25 फरवरी। कांग्रेस अधिवेशन में आज सोनिया गांधी को भावभीनी विदाई दी गई। क्योंकि 22 साल तक इस कठिन दायित्वपूर्ण पद पर रहने के बाद उन्होंने पद त्याग दिया था।

1997 के बाद, यह पहला अवसर था, जब एक गैर-गांधी मल्लिकार्जुन खड़गे ने गांधी परिवार के तीन प्रमुख सदस्यों की मौजूदगी में सत्र की अध्यक्षता की।

ध्वजारोहण के बाद, जब गांधी परिवार के तीनों व्यक्ति मंच पर चढ़े तो सहज दिखाई दे रहे थे। अधिकांश वरिष्ठ नेता खड़गे के पीछे चलते हुये, उन्हें एस्कॉर्ट करते हुये उनकी सीट तक ले गये तथा गांधी परिवार अपने तरीके से मंच पर पहुंचा तथा बैठने के लिये अपनी सीट ढूढ़ी।

सत्ता बदल गई थी और उसके साथ ही, गांधी परिवार के लिये पूरा माहौल ही मानो बदल गया था।

कांग्रेस प्रतिनिधि आज राहुंल को महिमामंडित करने वाले नारे नहीं लगा रहे थे, जैसा कि पहले हुआ करता था। पाँडाल के अधिकांश हिस्सों में प्रतिनिधियों के बीच चल रही चर्चाएं गांधी परिवार, उनके राजनैतिक भविष्य तथा अब आगे पार्टी में उनकी भूमिका पर केन्द्रित थीं।

जब शाम होने को थी, उस समय ये तीनों ही मंच से चल दिये तथा श्योपुर में स्थित किसी मंदिर के दर्शन करने चले गये, हालाँकि सत्र अभी चल रहा था तथा प्रतिनिधिगण (डेलिगेट्स) भाषण दे रहे थे।

अधिवेशन में सोनिया गांधी पर एक छोटी सी फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल की प्रमुख घटनाएं दर्शायी गई थीं- किस तरह से वे पार्टी को दो बार सत्ता में लाईं, किस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पद को कुर्बानी दी तथा डॉ. मनमोहन सिंह को यू.पी.ए. के प्रधानमंत्री पद पर आसीन किया।

रोचक चीज आपने भाषण के बीच,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- डैलिगेट्स की ओर से राहुल गांधी के लिये नारे नहीं लगे, जैसे अब तक होता आया है।
- अधिवेशन में सोनिया गांधी पर बनी एक फिल्म भी दिखायी गयी, जिसमें सोनिया गांधी के बलिदान (प्र.मंत्री का पद न संभालना) व मनमोहन सिंह का प्र.मंत्री पद के लिये नाम प्रस्तावित करने को "हाई लाईट" किया गया।
- पंडाल में मुख्य चर्चा इस बात पर थी कि, गांधी परिवार की पार्टी के मुताल्लिक अब क्या भूमिका रहेगी। अब रायबरेली से कौन सा गांधी चुनाव लड़ेगा।
- कार्यवाही के दौरान कई संशोधन किये गये, पार्टी के संविधान में, जैसे, अब कांग्रेसजन के लिये खादी ही पहनना अनिवार्य नहीं होगा तथा कांग्रेसजन को सार्वजनिक रूपसे मदिरा पान की अनुमति मिली।
- पूर्व पार्टी अध्यक्ष, पूर्व प्र.मंत्री, लोकसभा व राज्यसभा में पार्टी नेताओं को स्वतः ही जीवन पर्यन्त सी.डब्ल्यु.सी. की सदस्यता प्राप्त होगी।
- हर पार्टी अधिवेशन की भांति "सेफ वक्ताओं," को जैसे प्रदेशाध्यक्ष, प्रवक्ता आदि, को ही बैठक को संबोधित करने का मौका मिला, आम डैलिगेट को अवसर नहीं मिला बोलने का। एक फर्क जरूर था, वरिष्ठ नेता अधिकतर चुप रहे तथा युवाओं ने माइक संभाला।

रोहिंग्या परिवार के खिलाफ मामला दर्ज

बस्सी, (निसं)। उपखंड के कानोता थाना इलाके में 14 साल से अवैध रूप से रह रहे एक रोहिंग्या परिवार के खिलाफ पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

बस्सी एसीपी मेघचंद मीणा की ओर से थाने में दर्ज मुकदमे के मुताबिक रोहिंग्या अब्दुल गफूर अपनी मां, पत्नी और दो बेटियों के साथ थाना इलाके के आगरा रोड स्थित न्यू बगराना कॉलोनी में निवास कर रहा था। गत साल तत्कालीन एसीपी सुरेश

- यह परिवार कानोता में 14 साल से अवैध रूप से रह रहा था।

सांखला ने भी शिकायत मिलने के बाद रोहिंग्या के खिलाफ जांच की थी। अब एसीपी की ओर से दर्ज मुकदमे में कानोता थानाधिकारी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक एसीपी की ओर से रोहिंग्या अब्दुल गफूर, गुलबहर, हुमो बेगम, सफा और मरवा के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जानकारी में आया है कि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या कांग्रेस ने विपक्ष के गठबंधन के नेतृत्व का इरादा त्याग दिया

क्या अब कांग्रेस ऐसे गठबंधन का हिस्सा बनकर संतुष्टि पा लेगी?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नवा रायपुर, 25फरवरी। क्या कांग्रेस ने विपक्षी पार्टियों के किसी संभावित गठबंधन का नेतृत्व करने का अपना पूर्व फार्मूला त्याग दिया है और अब वह भाजपा का मुकाबला करने के लिए साझी सोच रखने वाली विपक्षी पार्टियों के किसी गठबंधन के बारे में ही बात कर रही है

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने नागालैंड में कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि उनकी पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष के गठबंधन का नेतृत्व करेगी, लेकिन कांग्रेस महाधिवेशन में जो राजनीतिक प्रस्ताव लाया गया है, उसमें गठबंधन के नेतृत्व का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि उसमें केवल साझी सोच वाली धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के गठबंधन की बात कही गई है। राहुल गांधी ने मेघालय की एक रैली में जब तृणमूल की आलोचना की तो उनकी बात खड़गे की बात से बिल्कुल विपरीत थी।

- अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में कांग्रेस के इस नये सोच की पूरी झलक थी।
- अभी कांग्रेस विपक्ष के नेतृत्व के मुद्दे पर स्पष्ट सोच व्यक्त नहीं कर पा रही, पर विपक्ष की अन्य पार्टियों ने जी-8 ग्रुप का गठन भी कर लिया है, जिसमें विपक्ष शासित प्रदेशों के मु.मंत्री व बिहार के उपमुख्यमंत्री शामिल हैं।
- कांग्रेस की अभी भी यह दुविधा है कि, इन राज्यों में पार्टी के कार्यकर्ता प्रदेश में शासन कर रही पार्टी से गठबंधन करने के पक्ष में नहीं हैं।
- दूसरी दिक्कत यह है कि, विपक्ष की एकता पर प्रदेश दर प्रदेश निर्णय होगा तथा कांग्रेस को "छोटे भाई" की भूमिका निभानी पड़ेगी।

मजेदार बात यह है कि गठबंधन को लेकर कांग्रेस जहां अब भी दबे स्वरों में बात कर रही है, वहीं विपक्षी पार्टियों ने इस मामले में उससे बाजी मार ली है।

जी-8 ग्रुप का गठन कर लिया गया है, जिसमें विपक्षी पार्टियों के 7 मुख्यमंत्रियों सहित एक एक मुख्यमंत्री शामिल हैं। इनमें हैं- अरविंद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हर्ष देव सिंह पैंथर्स पार्टी के चेयरमैन बने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25फरवरी। पैंथर्स पार्टी के मुख्य संरक्षक अंकित लव, जो कि पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय भीमसिंह के पुत्र हैं, ने शनिवार को 62 वर्षीय हर्ष देव सिंह को पार्टी का चेयरमैन नियुक्त किया। हर्ष देव 2012 से 2022 तक

- पार्टी के मुख्य संरक्षक और पार्टी के संस्थापक स्व. भीम सिंह के पुत्र अंकित लव ने 62 वर्षीय हर्ष देव को चेयरमैन पद के लिए पूर्ण योग्य बताया। हर्ष देव 2012 से 2022 तक इस पद पर रह चुके हैं।

इस पद पर रह चुके हैं।

एक बयान में अंकित ने कहा कि हर्ष इस पद के सबसे ज्यादा योग्य है जम्मु से गरीबी के उन्मूलन के और जम्मु उर्फ डोगरास्तान के लिए अभियान चलाने के लिए सबसे ज्यादा सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि डोगरा समुदाय के लिए यह बेहतरीन कदम होगा। इससे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिवेशन में 15000 डैलिगेट्स आने थे, पर 3500 ही आये

अधिवेशन स्थल रायपुर से 25 किलोमीटर दूर था, अतः आम नेताओं व कार्यकर्ताओं को, विशेषकर दक्षिण भारत के लोगों को, काफी दिक्कत हुई

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नवा रायपुर, 25 फरवरी। कांग्रेस के 85वें महाधिवेशन में 15 हजार प्रतिनिधि आने थे, लेकिन ए.आई.सी.सी. के करीब 15 सौ सदस्यों, मीडिया कर्मियों आदि के अलावा पी.सी.सी. के केवल 3 हजार 5 सौ प्रतिनिधि ही इसमें उपस्थित हुए। स्थल काफी कुछ खाली था, लेकिन इसके बावजूद समय से पहले ही भोजन समाप्त हो गया, जिसकी वजह से कई प्रतिनिधियों को कठिनाई का सामना करना पड़ा। पीसीसी के जिन प्रतिनिधियों के पास कार नहीं थी और परिवहन के साधन ना के बराबर थे, उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि महाधिवेशन का स्थल रायपुर से करीब 25 किमी दूर था। दक्षिण भारत के प्रतिनिधियों को भाषा की वजह से काफी परेशानियां आई, क्योंकि यहां के पुलिसकर्मी सिर्फ हिंदी जानते हैं।

- मीडिया रूम की हालत भी खस्ता थी, न कम्प्यूटर थे, जो आम तौर पर उपलब्ध होते हैं, और न ही गर्मी से बचने का कोई साधन।
- बड़े महारथी नेताओं, आम पत्रकार व आम डैलिगेट्स को उपलब्ध करायी गयी सुविधाओं में काफी फर्क था।

मीडिया को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। महाधिवेशन के मुख्य हाल में मीडिया के लिए कुर्सियां नहीं थी। मीडिया वालों को एक साइड में बैठकर महाधिवेशन की कार्यवाही को स्क्रीन पर देखना था। जब जयराम रमेश से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि "यह मेरा काम नहीं हैं।"

इन्टरनैट की व्यवस्था भी नहीं थी, जिसके कारण स्टोरीज फाइल करना मुश्किल था। इसके लिए भी जयराम रमेश ने कहा कि "यह मेरा काम नहीं हैं।" खराब टेलीकम्युनिकेशन्स के कारण सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों और प्रस्तावों का लाइव टेलीकॉस्ट नहीं हो सका। इसके लिए जयराम रमेश के कहा कि "यह मेरा काम नहीं हैं।"

मीडिया टैंट में भी व्यवस्थाएं बहुत खराब थी। दिन की भयंकर गर्मी में भी ए.सी. और कूलर काम नहीं कर रहे थे।

लेकिन इस समस्याओं का समाधान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से कोई भी मौजूद नहीं था। अधिवेशनों और महाधिवेशनों में अब तक रहे चलन के विपरीत पत्रकारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टियरिंग कमेटी के नेताओं ने सी.डब्ल्यु.सी. की संख्या में इजाफा क्यों किया?

असल बात यह है कि, उदयपुर संकल्प के अनुसार 50 प्रतिशत हिस्सेदारी 50 से कम उम्र वालों को मिलेगी, ऐसे में कई नेता बाहर हो जाते

रायपुर, 25 फरवरी (का.प्र.)। छत्तीसगढ़ में हो रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में कांग्रेस ने अपने पार्टी के संविधान को बदलते हुए 85 संशोधन किए हैं। इन संशोधनों के जरिए पुराने नेताओं ने खुद का स्थान कार्यसमिति में बनाए रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बदलाव के तहत कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य संख्या, जो 25 पर निर्धारित थी, अब 35 करवा ली है। इसके तहत कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्यसभा, लोकसभा में कांग्रेस के नेता कार्यसमिति के स्वत: सदस्य होंगे। कार्यसमिति सदस्यों की संख्या बढ़ाने के पीछे तर्क यह दिया गया है कि, अब छह पी.सी.सी. डैलिगेट्स पर एक ए.आई.सी.सी. मेंबर चुना जाएगा। अभी तक 8 डैलिगेट्स पर एक ए.आई.सी.सी. सदस्य चुना जाता था। ऐसे में मेंबर की संख्या 1240 से बढ़कर 1653 हो जाएगी। दरअसल उदयपुर संकल्प में तय हुआ था कि, 50 प्रतिशत पद 50 साल से कम उम्र वालों को दिए जाएंगे। ऐसे में यदि कार्यसमिति के सदस्यों की संख्या 25 ही रहती, तो बहुत सारे वरिष्ठ नेता, जो अब तक येन केन - प्रकारेण कार्यसमिति में बने रहते थे, वे बाहर हो जाते। ऐसे में खुद की जगह बचाने के लिए सबसे बड़ा संशोधन करवा लिया गया है।

कांग्रेस पार्टी ने खुद को बदलने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है। कांग्रेस पार्टी के सभी पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर दिया गया है। इसमें अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग के लोग, आदिवासी और महिलाएं शामिल हैं। युवाओं को भी कांग्रेस ने तरजीह दी है। रायपुर अधिवेशन में पार्टी की वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी ने संवैधानिक प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि, मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात थी, जब मुझे एक ऐसी कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया, जो कांग्रेस के संविधान पर काम कर रही थी। सबकी राय रही कि, भारत जोड़ो यात्रा में जो जो लोग राहुल गांधी के साथ आकर यात्रा में शामिल हुए, जिन्होंने अपनी हिस्सेदारी दी, उन्हें स्थान मिले। वे गरीब,आदिवासी, जनजाति, अनुसूचित जाति, जनजाति के लोग थे, महिलाएं - बच्चे थे। यह हम सब का सामूहिक सुझाव था, इसलिए अब इस वर्ग का आरक्षण पार्टी में कर दिया है।

इसके बाद संविधान संशोधन कमेटी के संयोजक रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कांग्रेस के संविधान में संशोधन के प्रस्तावों का अनुमोदन करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी । सुरजेवाला ने कहा कि देश की जनता और कार्यकर्ताओं की जन भावनाओं के आधार पर छोट-बड़े 85 संशोधन किए हैं। आज जब देश पर संकट के बादल हैं, घनघोर अंधेरा है और भारत जोड़ो यात्रा से उम्मीद की एक नई किरण निकली है,तो कांग्रेस का संविधान भी उसको प्रतिबिंबित करे ऐसा हमारा प्रयास है। सुरजेवाला ने कहा कि 6 बड़े संशोधन किए गए हैं।

पार्टी में संविधान संशोधन के अनुरूप समाज के अनूसूचित जाति, आदिवासी, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के लिए डैलिगेट्स और सभी पदों पर मे 50 फीसदी पद आरक्षित होंगे। इसमें 50 फीसदी पदों में पचास वर्ष से कम के लोगों और महिलाओं की भागीदारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्यसभा, लोकसभा में कांग्रेस के नेता, कार्यसमिति के स्वतः सदस्य होंगे।
- अब कांग्रेस में पेपरलैस डिजिटल मैंबरशिप ही होगी। सदस्यता फॉर्म में थर्ड जैंडर, ट्रांस जैंडर की चर्चा के साथ मां और पत्नी का नाम भी लिखा जाएगा।

सोलर उद्योगपतियों से "इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी" वसूलने पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान ऊर्जा विकास निगम द्वारा छत पर सोलर पावर प्लांट लगाने वाले उद्योगपतियों से "इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी" वसूले जाने पर रोक लगाई है। न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश सुरेन्द्र कुमार स्वामी व 14

- राजस्थान हाई कोर्ट ने सोलर पॉलिसी-2019, की अवहेलना पर वित्त विभाग, डिस्कॉम चेयरमैन, ऊर्जा निगम के प्रबंधक से जवाब तलब किया।

अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अरविंद कुमार शर्मा ने पैरवी की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)